

No. of printed pages : 9

MTT-003

**Post Graduate Certificate in Bangla-Hindi  
Translation**

**Term-End Examination**

**June, 2024**

**MTT-003 : Bangali-Hindi translation in various  
linguistic areas**

**Duration : 3 Hours**

**Maximum Marks : 100**

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 9

**MTT-003**

**बांग्ला-हिन्दी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट  
संत्रांत परीक्षा  
जून-2024**

**MTT-003: बांग्ला-हिंदी के विभिन्न भाषिक क्षेत्रों में अनुवाद**

समय सीमा : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या 1 का उत्तर लगभग 750 शब्दों में लिखिए।

---

---

1. बांग्ला से हिन्दी में अनुवाद करते समय अनुवादक को हिन्दी भाषा की शैली, लोकोक्ति एवं मुहावरों के प्रयोग में उपस्थित होने वाली समस्याओं पर चर्चा कीजिए। 20

अथवा

बांग्ला से विभिन्न प्रकार के निमंत्रण पत्रों के हिन्दी में अनुवाद करते हुए कौन कौन सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए? सोदाहरण चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित बांग्ला शब्दों के हिन्दी पर्याय लिखिए: 5

खेलाधुला, घोरारफेरा, बूढ़ि, हलोबेड़ान, गड़न, कमलालेवू, लोकान, एकाकीञ्च, गा बेंसे, एलोपाथाड़ि।

3. निम्नलिखित हिन्दी शब्दों के बांग्ला पर्याय लिखिए: 5

अनचाहा, झाँसा देना, सड़ा, आंगन, दादाजी, लुकाछुपी, व्यर्थ, वसूली, संगोष्ठी, किताब

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों के बांग्ला में अर्थ बताइए और उनका हिन्दी और बांग्ला में अलग – अलग प्रयोग कीजिए:

5x4=20

वर्तनी, प्रत्याशी, मुक्किल, चूँकि, शुद्धिपत्र, लोकार्पण, पोथी, बँटवारा, गिरावट, रोजमर्रा।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार के हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

4x10=40

- (a) কলেজ এ গিয়ে ভর্তি হলাম। মহকুমা শহরে একটি বোর্ডিংএ থাকার জায়গা হল। ছাত্রবৃত্তি পেয়েছিলাম কোনও এক সময়ে। স্কুলের মাইনে লাগত না। বছরের শেষ জলপানির যে টাকা পেতাম তার থেকে কিছুটা জমিয়ে রেখেছিলাম যা, তাতে ভর্তি হতে পেরেছিলাম কলেজে। এবার কলেজের বই কেনা, কলেজের বেতন, ছাত্রাবাসের প্রতি মাসে মাসে টাকা। সঙ্কট মাথার ওপর চেপে বসল। আমারই স্কুলে পড়ত এমন কোনও এক ছাত্রীর বাবা একদা মার কাছে আমার বিয়ের প্রস্তাব নিয়ে এল। আমার মা কে ইনিয়ে বিনিয়ে তিনি একথা বোঝালেন, তার মেয়েকে বিয়ে করলে আমার পড়াশুনার সকল দায়ভার তিনিই বহন করবেন। আমার মা সিদ্ধান্ত নিতে পারলো না। কেবল বলল "আমি তো ন্যায়াপড়া জানি না। ছেলে যা ভাল বোঝাপেনে তাই করতি পারবো। আমি তার বেশি কতি পারতাছি না"।

কোনো এক পোষ মাসের ন তারিখ ছিল সেদিন। আমার বাবা হঠাৎ কলেজায় আক্রান্ত হয়ে প্রয়াত হয়েছিল। তারও কয়েক বছর আগে জেঠিমা ও জ্যেঠা দুজনেই প্রায় সমকালে প্রয়াত হয়েছিল। আগে জ্যেঠিমা চলে গেল কলেজায় আক্রান্ত হয়ে। তার ঠিক দশ দিনের মাথায় জ্যেঠা চলে গেলেন। এইসব মৃত্যুগুলি আজও চোখের সামনে ভাসে, অসহায় মৃত্যুর মিছিলের আমি একজন প্রত্যক্ষ দর্শক।

- (b) প্রেসিডেন্সি কলেজের হোস্টেলের একটা মজার গল্প বলা যাক। তখনকার দিনে কলেজ ছাত্রাবাসে কোনও সাহেব

সুপার হতেন এবং ডেপুটি থাকতেন একজন বাঙালী কর্মী। এই বাঙালি ডেপুটি বা সহকারী সুপার ভদ্রলোকই সব দেখাশুনা করতেন। একবার বিলেত থেকে সদ্য আসা এক সাহেব অধ্যাপক সুপারের দায়িত্ব নিয়েছেন। তিনি আবার বিজ্ঞানের অধ্যাপক। বিলেতে থাকতেই বাঙালিরা বা ভারতীয়রা কি খায় কি না খায় এবং সেই সব খাবারের কোনটার কত ক্যালরি বা খাদ্যগুণ এ সব পরে এসেছেন। তিনি তো ডেপুটি সুপারকে ডেকে পাঠিয়ে খাবারের মেনু আন্তে বললেন। মেনুতে সপ্তাহে মাছ, মাংস, নিরামিষ, দই, চাটনি, ভাজা এসব ঘুরিয়ে ফিরিয়ে আছে। কিন্তু ডাল আর ভাত সপ্তাহে রোজ সাত দিন সকালেও আছে রাতেও আছে। সাহেবের ধারণা ডাল আর ভাতের খাদ্যগুণ একই রকম। তিনি বললেন না, না এ দুটো একসঙ্গে চলতেই পারে না। হয় দল নয় ভাত। খস খস করে লিখে দিলেন মেনু হবে ডাল দুপুরে আর ভাত হবে রাতে। ডেপুটি তাকে বোঝাতে গেলে তিনি বললেন সকালে ডাল খাওয়া ভালো নয়, ওয়েল ডাল হিন লাঞ্চ আর ভাত হিন ডিনার। ডেপুটি সাহেবকে ছাত্রদের খাবার সময় উপস্থিত থাকতে অনুরোধ করলেন। তিনি থেকে দেখলেন যে ছেলেরা ভাতের মধ্যে ডাল ঢেলে চটকে চটকে হাপুস হাপুস করে খাচ্ছে। তিনি হতবাক। তার বাঙালির ডালভাত সম্পর্কে ভুল ভাঙলো।

- (c) খালটার ওপারে আমাদের গ্রাম, ওখান থেকেই আমাদের যাত্রা শুরু হয়েছিল। উজ্জ্বল সবুজ আর সোনালী ছোপ থেকে বোঝা যাবে কোথায় গমের অঙ্কুর বেরোচ্ছে আর কোথায় সরষে খেত ফুলে ভরে উঠেছে। গ্রামের

পাদদেশের সাদা রেখাটা হল সীমান্তের প্রাচীর, ওটা তৈরী করতে দশ বছর লেগেছিল দেওয়ালটার ওপারে বনের বিস্তার শেষ পর্যন্ত দিগন্ত রেখায় গিয়ে মিশেছে। পূর্বে আর পশ্চিমে যতদূর চোখ যায় সীমাহীন বনের পর বন, আর আমাদের পেছনে শৈলশিরার পর শৈলশিরা শেষ পর্যন্ত চিরতুষার রাজ্যে পৌঁছেছে।

বিরাট হিমালয়ের ছায়ায় এই শান্ত সুন্দর পরিবেশে আমরা বসে আছি, আমাদের ঘিরে বন বসন্তের নতুন সাজে সেজে বাতাসের প্রতি তরঙ্গে ভেসে আসছে ফুলের সুগন্ধ। পাখির গানের খুশীতে বাতাস স্পন্দমান। এখানে বসলে আমরা কিছুকালের জন্যে দৈনন্দিন জীবনযাত্রার ক্লেশ ভুলে প্রাণিজগতের স্বাদ গ্রহণ করতে পারি কারণ এখানে জঙ্গলের আইন বিরাজমান সেই আইন মানুষের তৈরি আইনের থেকে শুধু পুরোনোই নয়, অনেক ভালোও। এ আইনে প্রত্যেকের, জীবনধারণের অধিকার নিজের মত করে বাঁচার অধিকার আছে। ভবিষ্যতের চিন্তায় সেখানে কোন দূশ্চিন্তার কোন উদ্বেগ, কোন দুঃখের অবকাশ নেই।

- (d) আন্তর্জাতিক মঞ্চে টি-টোয়েন্টি ক্রিকেটে নিজেদের আধিপত্য বজায় রাখল ভারতের মহিলা ক্রিকেট দল। আরও একটি বিশ্বকাপের সেমিফাইনালে উঠে গেল ভারত।

সোমবার দক্ষিণ আফ্রিকায় ভারতের প্রতিপক্ষ ছিল আয়ারল্যান্ড। প্রথমে ব্যাট করে ভারত ১৫৫ রান তুলে দেওয়ার পরে শুরুতেই দু' উইকেট হারায় আয়ারল্যান্ড।

৮.২ ওভারে তাদের রান যখন ৫৪ - ২, তখন বৃষ্টিতে ম্যাচ বন্ধ হয়ে যায়। যা আর শুরু করা যায়নি। এরপর ডাকওয়ার্থ লুইস নিয়মে পাঁচ রানে ম্যাচ জিতে নেন হরমানপ্রীতরা।

অল্প কয়েক দিন আগেই সাড়া ফেলে দিয়েছিলেন তিনি। মেয়েদের ব্যাটিং-এ ব্যাট হাতে ঝড় তুলে নয়। মেয়েদের আই পি এলের নিলামে সবচেয়ে দামি ক্রিকেটারের শিরোপা পাওয়ার জন্য ৩ কোটি ৪০ লক্ষ তাকে স্মৃতি মস্কানাকে কিনে নিয়েছিল বিরাট কোহলির রয়েল চ্যালেঞ্জার্স ব্যাঙ্গালোর। বিরাটের মতই ১৮ নং জার্সিতে খেলতে নামবেন স্মৃতিও। মহিলাদের এই প্রথম আই পি এল ক্রিকেটে টেস করতে নামবেন আর সি বির হয়ে।

এ দিন বিশ্বকাপে আয়ারল্যান্ডের বিরুদ্ধে একটা চোখ ধাঁধানো ইনিংস খেলেন তিনি। ৫৬ বলে ৮৭ রান করে যান স্মৃতি। মারেন ৭টি চার, তিনটি ছয়। স্মৃতির আগ্রাসী ব্যাটিংএ ২০ ওভারে ভারত তোলে ৬ উইকেটে ১৫৫। স্মৃতি ম্যাচের সেরার পুরস্কার পান।

(e) আবার বছর কুড়ি পরে তার সাথে দেখা হয় যদি।

আবার বছর কুড়ি পরে-

হয়তো ধানের চড়ার পাশে

কার্তিকের মাসে-

তখন সন্ধ্যার কাক ঘরে ফেরে তখন হলুদ নদী নরম  
নরম হয় শর কাশ হোগলায়-মাঠের ভিতরে।

অথবা নাইকো ধান খেতে আর;

ব্যাস্ততা নাইকো আর,

হাঁসের নীড়ের থেকে খড়

পাখীর নীড়ের থেকে খড়

ছড়াতেছে মনিয়ার ঘরে রাত, শীত আর শিশিরের জীবন  
গিয়াছে চলে আমাদের কুড়ি কুড়ি বছরের পার।

6. निम्नलिखित में से किसी एक का बांग्ला में अनुवाद कीजिए:

1x10=10

(a) शहर के सीने से एक और थियेटर हॉल गायब होने जा रहा है। अब यह केवल इतिहास रहेगा। कोलकाता का नाट्यमंच विज्ञान थियेटर को अब तोड़ने का काम चल रहा है। अगले कुछ ही दिनों में कोई थियेटर नहीं होगा। यह बहुमंजिला इमारत होगी।

बिजन भट्टाचार्य भारतीय जन-नाट्य संघ के संस्थापकों में से एक हैं। उत्तर कोलकाता के हाथीबागान क्षेत्र में स्थित इस नाट्यमंच का नाम उन्हीं की याद में रखा गया है। अब 44 साल का संघर्ष खत्म हुआ। विज्ञान थियेटर टूट गया है।

एक-एक करके सभी यादें मिटती जा रही हैं। एक समय इस क्षेत्र में कई थियेटर हॉल थे। श्री, उत्तरा, राधा,

रंगमहल, विश्वरूपा, रूपवाणी आदि अब पुरानी पीढ़ी की यादों में रह गया। यहां अब डिपार्टमेंटल स्टोर या बहुमंजिला इमारत बन गई।

कभी यहां दूरदराज से लोग नाटक देखने जुटा करते थे। इन जगहों में अब बस अंधेरा ही है। सांस्कृतिक जगत को उजाड़कर मॉल संस्कृति का बोलबाला हो गया।

हाँ भाई यह भी परिवर्तन है!

(b) ट्रेन में एक दूसरी बच्ची को देखकर

अपनी बच्ची याद आई

नीलकंठ की तस्वीर देखकर

किसी दशहरे में दिखा

नीलकंठ याद आया

एक दूसरा स्वप्न देखते हुए पिछला स्वप्न

सरसराता गुजर गया

नींद भी गीली घसि से

परदेश में कौर तोड़ते ही

घर के सिल पर पिसी चटनी

ईट ढोते बच्चे को देखकर

झुरमुटों में फँसी अभी पतंग



धूलभरा आकाश देखकर एक चिड़िया उड़ती

याद आई

याद आई अपनी नदी

दूसरी नदी पार करते हुए

एक दूसरे ग्रह में मरते हुए

अपनी पृथ्वी याद आई।

**MTT-003**